

मैया है मेरी शेरों वाली

मैया है मेरी शेरों वाली
शान है मां की बड़ी निराली
सच्चा है मां का दरबार
मैया का जवाब नहीं

ऊंचे परबत भवन निराला
भवन में देखो सिंह विशाला
सिंह पे है मैया जी सवार
मैया का जवाब नहीं

हाथों में कंगना खन खन खनके
माथे की बिंदिया चम चम चमके
लाल गले में हार
मैया का जवाब नहीं

मां है दुर्गा मां है काली
भगतों की झोलियां भरने वाली
करती बेड़ा पार
मैया का जवाब नहीं

नंगे पैरों अकबर आया
नाल सोने का छत्र चढ़ाया
दूर किया अहंकार
मैया का जवाब नहीं
